तेरी आराध्‍ना करूं -2

पाप क्षमा कर जीवन दे दे

दया की याचना कंरू

तेरी आराध्‍ना करूं

1. तू ही महान सर्व शक्‍तिमान

तू ही है मेरे जीवन का संगीत

हृदय के तार छेडे़ झंकार

तेरी आराध्‍ना है मध्‍ुर गीत

जीवन से मेरे तू महिमा पाये

एक ही कामना करूं

पाप क्षमा कर जीवन दे दे

दया की याचना करूं

2. सृष्‍टि के हर एक कण कण में

छाया है तेरी ही महिमा का राज

पक्षी भी करते है तेरी प्रशंसा

हर पल सुनाते हैं आनन्‍द का राग

मेरी भी भक्‍ति तुझे ग्रहण हो

हृदय से प्रार्थना करूं

पाप क्षमा कर जीवन दे दे

दया की याचना करूं।

3. पतित जीवन में ज्‍योति जला दे

तुझ ही से लगी है आशा मेरी

पापमय तन को दूर हटा दे

पुर्ण हो अभिलाषा मेरी

जीवन के कठिन दुखी क्षणों का

दृढता से सामना करूं

पाप क्षमा कर जीवन दे दे

दया की याचना करूं।